भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- **406**

दिनांक **19** जुलाई, 2022 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

406. श्रीमती मंजुलता मंडल:

श्री धनुष एम. कुमार:

डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

श्री सी.एन. अन्नादुरई:

डॉ. पोन गौतम सिगामणि:

डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

श्री गजानन कीर्तिकर:

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:

श्री कुलदीप राय शर्मा:

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं और इसकी स्थापना के बाद से इसके अंतर्गत क्या-क्या उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं;

(ख) क्या सरकार ने उन उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है जिसके लिए आरजीएम की स्थापना की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) आरजीएम के अंतर्गत देशी नस्लों के मवेशियों के विकास में शामिल सभी भाग लेने वाली एजेंसियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) इस मिशन के अंतर्गत सरकार द्वारा नामित प्रतिभागी एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार भाग लेने वाली एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा कर रही है और यदि हां, तो इस संबंध में कितनी प्रगति हुई है;

(च) क्या आरजीएम के अंतर्गत सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर एकीकृत स्वदेशी पशु केन्द्रों की स्थापना की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वारा अब तक कितने किसानों को गोपाल रत्न और कामधेनु पुरस्कार दिया गया है और सरकार द्वारा उक्त पुरस्कारों को प्रदान करने हेतु क्या चयन प्रक्रिया अंगीकृत की गई है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख) पशुपालन और डेयरी विभाग देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाइनों के दुग्ध उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के उद्देश्य से राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को लागू कर रहा है,जिससे डेयरी को किसानों के लिए अधिक लाभकारी बनाया जा सके। योजना को निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ लागू किया गया है:

(i) उन्नत तकनीकों का उपयोग करके बोवाइनों की उत्पादकता बढ़ाना और धारणीय तरीके से दूध उत्पादन बढ़ाना।

(ii) प्रजनन उद्देश्यों के लिए उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के उपयोग का प्रचार करना।

(iii) प्रजनन नेटवर्क को सुदृढ़ करने और किसानों के द्वार पर कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं के वितरण के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना।

(iv) वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी गोपशुओं और भैंसों के पालन और संरक्षण को बढ़ावा देना।

इस योजना के प्रारंभ से लेकर अब तक की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

इस योजना की शुरूआत के बाद से इसके तहत प्राप्त की गई उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

(i) राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान (एआई) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के तहत कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं किसानों के द्वार पर मुफ्त उपलब्ध कराई गईं है। अब तक इस कार्यक्रम के तहत 3.50 करोड़ पशुओं को कवर किया जा चुका है, 4.33 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं और 2.28 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं।

(ii) 19 बोवाइन आईवीएफ/ईटीटी प्रयोगशालाओं को चालू कर दिया गया है और अब तक इस कार्यक्रम के तहत से अधिकतर देशी नस्लों के 14092 व्यवहार्य भ्रूणों का उत्पादन किया गया है, 6598 व्यवहार्य भ्रूणों को अंतरित किया गया है और 1075 बछड़े-बछड़ियों का जन्म हुआ है। सरकार ने आईवीएफ तकनीक का उपयोग करते हुए त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत अगले पांच वर्षों में 2 लाख आईवीएफ गर्भधारण करवाए जाएगे। किसानों को प्रति सुनिश्चित गर्भधारण पर 5000 रुपये की दर से सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। बोवाइन आईवीएफ तकनीक अब किसानों के द्वार पर उपलब्ध है।

(iii) देश में 90% सटीकता के साथ केवल बछड़ियों के उत्पादन के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमन का उत्पादन शुरू किया गया है। सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग न केवल दूध उत्पादन को बढ़ाने में बल्कि आवारा पशुओं की आबादी को सीमित करने में भी गेम चेंजर होगा। 4 सरकारी सीमन केन्द्रों पर सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन सुविधा स्थापित की गई है तथा 3 निजी सीमन केन्द्रों पर भी सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन की सुविधा उपलब्ध है। अब तक 44.37 लाख सेक्स्ड सीमेन खुराकों का उत्पादन किया जा चुका है। सरकार ने सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग करते हुए त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत 51 लाख गर्भधारण करवाए जाएंगे और सुनिश्चित गर्भावस्था पर 750 रुपये या सॉर्टेड सीमन की लागत के 50% तक की सब्सिडी किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी।

(iv) सीमन स्टेशनों पर उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए देश में 13 संतति परीक्षण (पीटी) और 7 नस्ल चयन कार्यक्रम लागू किए गए हैं। इन कार्यक्रमों के तहत सीमन मुख्य रूप से देशी नस्लों के उच्च आनुवंशिक गुणता वाले 2401 सांडों का उत्पादन किया गया है और सीमन उत्पादन के लिए सीमन स्टेशनों पर शामिल किया गया है।

(v) किसानों के द्वार तक प्रजनन इनपुट पहुंचाने के लिए अब तक 29,218 ग्रामीण क्षेत्रों में बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (मैत्री) को शामिल किया गया है।

(vi) देशी नस्लों के वैज्ञानिक और समग्र तरीके से विकास और संरक्षण के लिए 16 गोकुल ग्राम और 2 राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

(ग) आरजीएम के तहत देशी बोवाइन नस्लों के विकास में शामिल कार्यान्वयन एजेंसियों और भाग लेने वाली एजेंसियों का विवरण निम्नलिखित है:

कार्यान्वयन एजेंसियां (एआई)-	राज्य पशुधन विकास बोर्ड / राज्य दुग्ध परिसंघ / केंद्रीय हिमित वीर्य उत्पादन और प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय गोपशु प्रजनन फार्म, केंद्रीय पशु पंजीकरण योजना, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड / भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद आईसीएआर और इसके संस्थान / केंद्रीय विश्वविद्यालय
भाग लेने वाली एजेंसियां (पीए)	बोवाइन विकास में भूमिका निभाने वाली अन्य एजेंसियां जैसे, विश्वविद्यालय, कॉलेज, आदि

(घ) और (ड़) कार्यान्वयन/भाग लेने वाली एजेंसियों द्वारा राज्यवार किए गए कार्य/प्रगति का विवरण अनुबंध I में दिया गया है। इसके अलावा विभाग आरजीएम के तहत की गई प्रगति की समीक्षा के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित कर रहा है।

(च) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) के तहत देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए 16 गोकुल ग्रामों को एकीकृत पशु विकास केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। योजना के तहत राज्यवार स्थापित गोकुल ग्रामों का विवरण अनुबंध II में दिया गया है।

(छ) सरकार से अब तक कुल 52 किसानों/संस्थाओं/सहकारी समितियों और एआई तकनीशियनों ने गोपाल रत्न और कामधेनु पुरस्कार प्राप्त किए हैं। गोपाल रत्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए वर्ष 2021 के दौरान अपनाई गई चयन प्रक्रिया निम्नानुसार है:

i. इच्छुक आवेदकों से ऑनलाइन मोड के माध्यम से 3 श्रेणियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे - सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान, जो स्वदेशी पशु नस्लों का पालन करते हैं, सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन और सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/ दूध उत्पादक कंपनी/ डेयरी किसान उत्पादक संगठन।

ii. विभाग द्वारा गठित अवार्ड स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा आवेदनों की जांच की गई और स्क्रीनिंग कमेटी ने सर्वश्रेष्ठ आवेदकों (प्रत्येक श्रेणी में अधिमानतः 5) का चयन किया और राष्ट्रीय पुरस्कार समिति को इसकी सिफारिश की।

iii. राष्ट्रीय पुरस्कार समिति ने अंततः अंतिम पुरस्कार विजेताओं का चयन किया।

*****

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत राज्यवार किए गए कार्यों/प्रगति का विवरण

क्र.सं.	राज्य का नाम	गोकुल ग्रामों के लिए जारी की गई निधियां	बुल मदर फार्म कासुदृढ़ीकरण	राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र	नस्ल चयन कार्यक्रम	संतति परीक्षण	संस्वीकृत आईवीएफ प्रयोगशालाएं	प्रशिक्षित मैत्री की संख्या	एनएआईपी -III जिलों की संख्या	एनएआईपी के तहत उपलब्धि		
										किए गए कुल एआई की संख्या	कुल लाभान्वित किसान	गर्भाधान किए गये कुल पशु
1	आंध्र प्रदेश	1	1	1	-	1	2	4746	9	3111430	1163821	2108966
2	अरुणाचल प्रदेश	1	-	-	-		-	-	3	2824	1260	2753
3	असम	-	1		-		-	992	33	758563	548859	659937
4	बिहार	1	-		-		2	863	38	1530611	1045581	1332177
5	छत्तीसगढ	1	1		-		1	74	27	1051645	567044	926564
6	गोवा	-	-		-		-	-	2	26465	6253	17178
7	गुजरात	1	5		2	6	3	125	22	2637064	1484345	2073218
8	हरियाणा	1	1		1	1	1	-	5	473132	290892	407198
9	हिमाचल प्रदेश	1	-		-		1	25	12	1230661	706107	930836
10	जम्मू और कश्मीर	-	-		-		-	100	20	1722642	840548	1300397
11	लद्दाख							-	2	1167466	786201	1049562
12	झारखंड	-	3		-		-	-	24	2334904	1256332	1775429
13	कर्नाटक	1	3		-		1	1445	17	4101	3024	3766
14	केरल	-	4		-	1	1	-		-	-	-

15	मध्य प्रदेश	1	-	1	-		2	1485	51	4858288	2638812	4311962
16	महाराष्ट्र	2	-		1		3	-	33	2444763	1530875	2196218
17	मणिपुर	-	-		-		-	100	9	18757	8819	17809
18	मेघालय	-	-		-		-	120	11	40608	9860	31473
19	मिजोरम	-	-		-		-	-	8	7353	2828	5847
20	नागालैंड	-	-		-		-	20	11	28859	10531	26730
21	ओडिशा	-	-		-		2	-	30	3497985	1795715	2811583
22	पंजाब	1	1		1	2	2	-	22	1493586	577254	1084045
23	राजस्थान	-	-		2	1	1	207	33	2855635	1826879	2442085
24	सिक्किम	-	-		-		-	172	4	24329	15294	22021
25	तमिलनाडु	-	2		-	1	3	-	13	2763530	975615	1853866
26	तेलंगाना	1	-		-		1	84	32	2278800	1010898	1978374
27	त्रिपुरा	-	15		-		-	895	8	124591	87291	108695
28	उत्तर प्रदेश	3	-		-		4	1118	75	4391137	2077692	3504474
29	उत्तराखंड	-	2		-		1	159	13	1023369	568567	780540
30	पश्चिम बंगाल	-	2		-		1	182	20	1458091	1032933	1288184
	कुल	**16**	**41**	**2**	**7**	**13**	**32**	**13218**	**587**	**43361189**	**22870130**	**35051886**

संक्षिप्तियां: आईवीएफ = इन विट्रो भ्रूण उत्पादन प्रौद्योगिकी; एनएआईपी राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम

विभिन्न राज्यों में स्थापित गोकुल ग्रामों का विवरण

राज्य का नाम	क्र.सं.	गोकुल ग्राम का स्थान
आंध्र प्रदेश	1	गोपशु प्रजनन फार्म, चाडलवाड़ा, प्रकाशम जिला
तेलंगाना	1	पीवीएनआरतेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय
कर्नाटक	1	अमृतमहल, उपकेंद्र, लिंगदहल्ली, चिक्कमगलुरु, जिला
गुजरात	1	धरमपुर, जिलाः पोरबंदर
मध्य प्रदेश	1	गोपशु प्रजनन फार्म, रतौना, सागर
महाराष्ट्र	2	बुल मदर फार्म, तथावड़े जिला पुणे
		बुल मदर फार्म, पोहरा जिला अमरावती
पंजाब	1	बीर दोसांझ नाभा
हरियाणा	1	हिसार
हिमाचल प्रदेश	1	थानाखास जिला ऊना
उत्तर प्रदेश	3	डीयूवीएएसयू मथुरा
		अराज़िलिन्स वाराणसी
		सिमरा विरान, शाहजहांपुर
अरुणाचल प्रदेश	1	तेज़ू, लोहित
छत्तीसगढ़	1	संस्थागत गोकुल ग्राम झालम, जिला-बेमेतरा
बिहार	1	डुमरांव, बक्सर